[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 7418 **F-7** **Your Roll No...............**

Unique Paper Code : 2131502

Name of the Paper : Vedic Literature

Name of the Course : **B.A. (Hon.) Sanskrit**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से **एक-एक** मन्त्र की व्याख्या कीजिए : (8×2=16)

Explain **one** mantra from each section.

खण्ड 'क' (Section – I)

(क) उप॑ त्वाग्ने दि॒वेदि॑वे॒ दोषा॑वस्तर्धि॒या व॒यम् ।

नमो॒ भर॑न्त॒ एम॑सि ॥

P.T.O.

(ख) हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत् ।

स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम ॥

खण्ड 'ख' (Section – II)

(क) यस्मिन्नृचः साम यजूंषि यस्मिन् प्रतिष्ठिता रथनाभाविवाराः ।

यस्मिंश्चित्तं सर्वमोतं प्रजानां तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु ॥

(ख) यो जविष्ठो भुवनेषु । स विद्वान् प्रवसन् विदे ।

तथा तदस्य काव्यं तथा सन्ततोऽग्निभिरिति

मनऽएवैतदाह मनसैवास्यानपप्रोषितं भवतीति ॥

2. निम्नलिखित मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (7)

Explain the following mantra in **Sanskrit** :

अक्षैर्मा दीव्यः कृषिमित्कृषस्व वित्ते रमस्व बहु-मन्यमानः ।

तत्र गावः कितव तत्र जाया तन्मे वि चष्टे सवितायमर्यः ।

अथवा (OR)

अनुव्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भवतु संमनाः ।

जाया पत्ये मधुमतीं वाचं वदतु शन्तिवाम् ॥

3. अग्नि के स्वरूप पर टिप्पणी लिखिए । (10)

Write a short note on Agni.

अथवा (OR)

भूमि सूक्त की विशेषताओं पर टिप्पणी लिखिए।

Describe the special features of Bhūmi Sūkta.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (5×2=10)

Write notes on any **two** of the following :

(क) वैदिक क्त्वा

(ख) वैदिक सुबन्त

(ग) वैदिक स्वरित

5. प्रश्न संख्या 1 के (क) भाग के किसी एक मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए। (6)

Render into Padapātha any **one** of the Mantras from section 1 of question no. 1.

6. निम्नलिखित प्रत्येक खण्ड से एक मन्त्र लेकर कुल दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिए। (8×2=16)

Explain any **two** Mantras choosing one from each section.

खण्ड 'क' (Section – I)

(क) यथोर्णनाभिः सृजते गृह्णते च

यथा पृथिव्यामोषधयः संभवन्ति।

यथा सतः पुरुषात् केशलोमानि

तथाक्षरात्सम्भवतीह विश्वम्॥

(ख) अविद्यायामन्तरे वर्तमानाः

स्वयं धीराः पण्डितं मन्यमानाः।

जङ्घन्यमानाः परियन्ति मूढा

अन्धेनैव नीयमाना यथान्धाः॥

खण्ड 'ख' (Section – II)

(क) प्रणवो धनुः शरो ह्यात्मा ब्रह्म तल्लक्ष्यमुच्यते ।

अप्रमत्तेन वेद्धव्यं शरवत् तन्मयो भवेत् ।।

(ख) द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया

समानं वृक्षं परिषस्वजाते ।

तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्व-

त्यनश्नन्नन्योऽभिचाकशीति ।।

7. मुण्डकोपनिषद् के नामकरण के हेतु का विवेचन कीजिए । (10)

Justify the reason behind the name of Muṇḍakopaniṣad.

अथवा (OR)

मुण्डकोपनिषद में वर्णित 'परा-अपरा विद्या' का वर्णन कीजिए ।

Describe the 'Parā-Aparā vidyā' as depicted in the Muṇḍakopaniṣad.